आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 14.01.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। विभिन्न गंगा घाटों और पवित्र नदियों के संगम पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं।
- अल्मोड़ा जिले में मानव वन्य जीव संघर्ष को कम करने के उद्देश्य से वन विभाग प्रभावित क्षेत्रों में सोलर लाइट लगा रहा है।
- देहरादून ज़िले के जौनसार–बावर क्षेत्र में चालदा महासू महाराज की यात्रा के दौरान भंडारे में मांस–मदिरा का प्रयोग नहीं किया जाएगा। 12 खतों ने लिया फैसला।
- चमोली जिले की न्याय पंचायत सोनला में "जन जन की सरकार– जन जन के द्वार" कार्यक्रम के तहत बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन।

<u>मकर संक्रांति</u>

प्रदेश में मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। विभिन्न गंगा घाटों और पवित्र नदियों के संगम पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान कर रहे हैं। कड़ाके की ठंड के बावजूद उत्तरकाशी के पौराणिक मणिकर्णिका घाट सहित अन्य गंगा घाटों में सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान कर रहे हैं। वहीं, टिहरी जिले के देवप्रयाग संगम पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा–अर्चना कर संगम में आस्था की डुबकी लगाई और भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल बना हुआ है। मकर संक्रांति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। भीड़ नियंत्रण और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस–प्रशासन की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

<u>मकर संक्रांति बागेश्वर</u>

मकर संक्रांति पर बागेश्वर में श्रद्धालुओं ने सरयू–गोमती के संगम तट पर माघी स्नान कर बाबा बागनाथ के दर्शन किए। स्नान के लिए गढ़वाल, दारमा, जोहार, व्यास, दानपुर सहित दूर–दराज क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालु कल रात में ही बागेश्वर पहुँच गए थे और भोर होते ही संगम तट पर स्नान कर श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया, सरयू पूजन किया और बागनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना की। श्रद्धालुओं ने विभिन्न धार्मिक संस्कार भी संपन्न किए। नदी किनारे मुंडन संस्कार, जनेऊ संस्कार और पितरों का तर्पण किया। पंडित कैलाश उपाध्याय ने बताया कि, मकर संक्रांति पर सूर्य उत्तरायण होते हैं, इसलिए इस दिन किया गया स्नान, दान और पूजा विशेष पुण्यदायी मानी जाती है।

श्रद्धालु गीता रावल ने कहा कि मकर संक्रांति पर सरयू–गोमती संगम में स्नान कर बाबा बागनाथ के दर्शन करने का काफी महत्व है।

वहीं, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। महिला और पुरुष पुलिस कर्मियों के साथ ही सरयू तट पर जल पुलिस और अग्निशमन दल की तैनाती की गई।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऊधम सिंह नगर जिले के काशीपुर के किसान सुखवंत सिंह की मृत्यु के मामले में परिजनों को न्याय का भरोसा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकरण की जांच में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय सुखवंत सिंह के भाई परविंदर सिंह से दूरभाष पर बातचीत कर संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि इस मामले में कुमाऊँ आयुक्त को मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं। इस बीच कृषि मंत्री गणेश जोशी ने काशीपुर क्षेत्र के पैगा गांव पहुंचकर किसान सुखवंत सिंह के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में परिवार के साथ है और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। श्री जोशी ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं इस मामले की निगरानी कर रहे हैं और सरकार किसान परिवार को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

सोलर लाइट

अल्मोड़ा जिले में मानव वन्य–जीव संघर्ष को देखते हुए वन विभाग की ओर से लोगों की सुरक्षा के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोलर लाइट परियोजना के तहत मानव वन्य जीव संघर्ष को कम करने के उद्देश्य से सिविल सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा द्वारा जागेश्वर, लमगड़ा, कनालीछीना और विन्सर रेंज में सोलर लाईट लगाई जा रही हैं। प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप धौलाखंडी ने बताया इन चारों वन रेंजों में 150 लाइट लगाई जानी हैं। पहले चरण में संवेदनशील गांवों में 60 सोलर लाईट लगााई जा चुकीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रकाश व्यवस्था होने से वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखना आसान होगा। उन्होंने कहा कि सोलर लाइटों की सहायता से स्थानीय लोगों को रात्रि में आवागमन में सुविधा मिलेगी और संभावित दुर्घटनाओं को भी रोका जा सकेगा।

ऐतिहासिक फैसला

देहरादून ज़िले के जौनसार–बावर क्षेत्र के ग्रामीणों ने सामूहिक तौर पर एक बड़ा फैसला लिया है। क्षेत्र के आराध्य देव चालदा महासू महाराज की यात्रा को लेकर खत कोरु सहित 12 खतों के ग्रामीणों ने तय किया है कि अब देवता के भंडारे में मांस और मदिरा का प्रचलन पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। इसकी जगह श्रद्धालुओं को शुद्ध घी, प्रसाद स्वरूप वितरित किया जाएगा। जौनसार क्षेत्र के आराध्य देव, चालदा महासू महाराज इन दिनों दोहा गांव में विराजमान हैं। सात मई को महाराज की डोली खत कोरु के कचटा मंदिर पहुंचेगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष सीताराम चौहान ने कहा कि मांस–मदिरा के स्थान पर घी वितरण का निर्णय, प्राचीन सात्विक परंपराओं को पुनर्स्थापित करते हुए सामाजिक कुप्रथाओं पर भी प्रभावी रोक लगाएगा।

जन–जन की सरकार

प्रदेश के विभिन्न जिलों में "जन जन की सरकार– जन जन के द्वार" कार्यक्रम के तहत बहुउद्देशीय शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के साथ ही उन्हें विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है। इसी कड़ी में चमोली जिले में कर्णप्रयाग विकासखंड की न्याय पंचायत सोनला में उपजिलाधिकारी सोहन सिंह रांगण की अध्यक्षता में बहुउद्देशीय शिविर लगाया गया। शिविर में 237 लोगों ने भाग लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने 41 शिकायतें दर्ज कराइं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जबकि, शेष शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित किए जाने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। वहीं 65 लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ दिया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कहा कि प्रदेश सरकार, जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।